दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-३२ वा | सोमवार २० अक्टूबर २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

चुनाव आयोग के खिलाफ 'महाविकास आघाडी' का एल्गार, 9 नवंबर को मुंबई में मोर्चा, मनसे भी शामिल

मुंबई (जमीर काझी):
चुनाव मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनाव आयोग की संदिग्ध कार्यप्रणाली के खिलाफ आवाज उठाने वाली महाराष्ट्र की महाविकास आघाडी (एमवीए) और अन्य विपक्षी दलों ने अब एक और बड़ा कदम उठाया है। चुनाव आयोग के कामकाज के विरोध और मतदाता सूची में त्रुटियों को दूर करने की मांग को लेकर ९ नवंबर को विपक्षी दलों द्वारा एक विशाल सर्वदलीय मोर्चा निकाला जाएगा। इस मोर्चे का नेतृत्व शरद पवार, उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे और कांग्रेस के नेता करेंगे। यह जानकारी रविवार को विपक्षी नेताओं ने दी।

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत, राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरदचंद्र पवार) के नेता जयंत पाटील, मनसे के नेता बाला नांदगांवकर, कांग्रेस नेता सचिन सावंत, कम्युनिस्ट नेता प्रकाश रेड्डी आदि ने एक संवाददाता सम्मेलन में इसकी जानकारी दी।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर घोटाले के खिलाफ पूरे देश में आवाज उठाई है। पिछले हफ्ते विपक्षी नेताओं ने इस मुद्दे पर राज्य के चुनाव अधिकारियों से मुलाकात की थी और मांग की थी कि जब तक मतदाता सूची की गड़बड़ियां दूर नहीं हो जातीं, तब तक चुनाव नहीं कराए जाएं। इसके बाद रविवार को शिवसेना भवन में सभी विपक्षी दलों ने संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर अपनी आगे की रणनीति घोषित की।

संजय राउत का बयान:

संजय राउत ने कहा, बोगस वोटिंग के खिलाफ राज्य के प्रमुख दल लड़ाई लड़ रहे हैं। दिल्ली में राहुल गांधी के नेतृत्व में हम बोगस वोटिंग के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। मतदाता सूची में गड़बड़ी है। आज मनसे का एक बड़ा मेला हुआ, जिसमें यह बताया गया कि आप वोट करें या न करें, विधानसभा चुनाव में वोटिंग की 'मैच फिक्सिंग' हुई है। वोटों की चोरी हुई है। गलत तरीके से मतदाता सूची तैयार की गई है। बोगस वोटिंग हुई है, यह अब स्पष्ट हो चुका है। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी दल के विधायकों ने ही बोगस वोटिंग के सबूत दिए हैं। राज ठाकरे ने भी इस बारे में सबूत पेश किए हैं। राउत ने उदाहरण देते हुए कहा, पैठण के विधायक विलास भुमरे ने दावा किया कि उन्होंने २० हजार मतदाताओं को बाहर से लाया, वहीं बीजेपी विधायक मंदा म्हात्रे ने भी बोगस वोटिंग को लेकर बयान दिया है। इससे बड़ा सबूत और क्या हो सकता है? चुनाव आयोग को इसे देखना चाहिए और इसकी जांच करनी चाहिए।

राउत ने आगे कहा, महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के दौरान महाविकास आघाडी के पक्ष में माहौल होने के बावजूद महायुति की जीत हुई। मतदाता सूची में एक करोड़ मतदाताओं की घुसपैठ हुई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली के एक कार्यक्रम में कहा था कि मतदाता सूची में घुसपैठ करने वालों को ढूंढ निकालेंगे। मैं उनसे अपील करता हूं कि इसकी शुरुआत महाराष्ट्र से करें।

जयंत पाटील का बयान:

जयंत पाटील ने कहा, दोहरी मतदाता सूची में कई बोगस नाम शामिल किए गए हैं। इन दोहरे नामों को दर्ज करने के लिए मतदाताओं ने चुनाव आयोग के अधिकारियों को पैसे देकर नाम दर्ज करवाए हैं। चुनाव आयोग की मनमानी के खिलाफ विपक्षी दलों की एकजुटता और ताकत दिखाने के लिए हम १ नवंबर को सड़कों पर उतरेंगे। हम चुनाव आयोग के खिलाफ एक विशाल मोर्चा निकालेंगे। इस मोर्चे में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लाखों कार्यकर्ता, पदाधिकारी और नेता शामिल होंगे।

उन्होंने कहा, हमने चुनाव आयोग के प्रमुखों से चर्चा की, लेकिन उनकी ओर से मिला जवाब संतोषजनक नहीं था, इसलिए यह मोर्चा निकाला जा रहा है। सत्ताधारी लोग भी अगर इस मोर्चे में शामिल होना चाहें, तो कोई आपत्ति नहीं है। जिन्हें इस गड़बड़ी से फायदा हुआ, वे इसे स्वीकार नहीं करना चाहेंगे। पाटील ने चुनौती देते हुए कहा, कई उदाहरण हैं। चुनाव आयोग को अपनी गलतियां सुधारने की तैयारी करनी चाहिए। डुप्लिकेट मतदाता और सूची में गलत पते जैसी समस्याओं पर विचार करते हुए यह स्पष्ट करना चाहिए कि वे कौन से मानदंड अपनाएंगे।

मोर्चे में मनसे की भागीदारी:

इस मोर्चे में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) भी शामिल होगी, जिससे विपक्षी दलों की एकजुटता और मजबूत होगी। यह मोर्चा चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची की गड़बड़ियों के खिलाफ एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

मतदाता सूची में गड़बड़ी की जांच के आदेश; मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिला अधिकारियों को दिए निर्देश

रिपोर्ट: जमीर काजी

मुंबई, १८ अक्टूबर २०२५:

महाविकास आघाडी और मनसे प्रमुख राज ठाकरे द्वारा मतदाता सूची में भारी अनियमितताओं और कार्यप्रणाली पर उठाए गए तीव्र आपत्तियों के बाद निर्वाचन आयोग अब सतर्क मोड में आ गया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त एस. चोक्कलिंगम ने मतदाता सूची में अनियमितताओं की जांच के लिए जिला निर्वाचन अधिकारियों को आदेश दिए हैं। सूत्रों के अनुसार, अगले ८ से १० दिनों में राज्य के सभी जिलों से इस संबंध में एक रिपोर्ट निर्वाचन आयोग को सौंपी जाएगी।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र और कर्नाटक में मतदाता सूची की खामियों को उजागर करते हुए 'वोट चोरी' का मुद्दा देशभर में उठाया है। इस पृष्ठभूमि में, महाविकास आघाडी के प्रमुख नेता शरद पवार, पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, कांग्रेस नेता बालासाहेब थोरात, विजय वडेट्टीवार, राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) के प्रदेशाध्यक्ष शशिकांत शिंदे, जयंत पाटील, शेकाप के जयंत पाटील और मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने सोमवार और मंगलवार को लगातार दो दिनों तक राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एस. चोक्कलिंगम और निर्वाचन आयोग के अध्यक्ष दिनेश वाघमारे से मुलाकात की। उन्होंने मतदाता सूची में गड़बड़ियों को सबूतों के साथ उजागर किया और मांग की कि जब तक मतदाता सूची की त्रुटियों और कार्यप्रणाली में गड़बड़ी को ठीक नहीं किया जाता, तब तक स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव न कराए जाएं। इसके बाद, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने जिला अधिकारियों को मतदाता सूची की त्रुटियों की जांच कर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। इसमें यह जांच की जाएगी कि क्या एक ही मतदाता क्षेत्र में किसी व्यक्ति का नाम दो जगह दर्ज किया गया है। दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। दिवाली के कारण यह रिपोर्ट अगले सप्ताह सौंपी जाने की संभावना है। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद इसे विपक्षी नेताओं को उपलब्ध कराया जाएगा।

विपक्षी नेताओं द्वारा दर्ज की गई आपत्तियां:

नाम हटाने का विवरण क्यों नहीं दिया गया?: २०२४ की चुनाव प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में नए मतदाताओं का पंजीकरण हुआ, जबकि कुछ नाम मतदाता सूची से हटाए गए। हालांकि, इन नामों को हटाने के कारण और विवरण न तो राजनीतिक दलों को और न ही मतदाताओं को उपलब्ध कराया गया।

नई मतदाता सूची क्यों छिपाई गई?: अक्टूबर २०२४ से जुलाई २०२५ के बीच मतदाता सूची में शामिल किए गए नए नामों का विवरण अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है।

दोहरी पंजीकरण की समस्या: मुंबई, पुणे, ठाणे, कल्याण-डोंबिवली, नासिक जैसे शहरों में अन्य राज्यों से आए कई मतदाता दो जगहों पर अपना पंजीकरण कराते हैं, जो कानूनन अपराध है। विपक्ष ने सवाल उठाया कि निर्वाचन आयोग दोहरी पंजीकरण को रोकने के लिए क्या कदम उठा रहा है? बिहार में इसके लिए विशेष अभियान चलाया गया, लेकिन महाराष्ट्र में ऐसा प्रयास क्यों नहीं हो रहा? डी-डुप्लिकेशन पद्धति का उपयोग कर दोहरी पंजीकरण हटाने की मागणी की गई है।

ततझ-ढ का उपयोग क्यों नहीं?: मतदाता सूची और ततझ-ढ के उपयोग को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं।

विपक्षी नेता शशिकांत शिंदे (प्रदेशाध्यक्ष, राष्ट्रवादी कांग्रेस शरदचंद्र पवार गुट) का बयान:

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने हमारी मांगों पर ध्यान देते हुए जिला अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए हैं। लेकिन जब यह गड़बड़ी उन्हीं की ओर से हुई है, तो वे इसकी क्या जांच करेंगे? उनकी रिपोर्ट आने के बाद हम अपनी अगली रणनीति तय करेंगे।

जिल्हा अधिकारियों को जांच के निर्देश:

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने सभी जिला अधिकारियों को मतदाता सूची की त्रुटियों की जांच करने और समयबद्ध तरीके से रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा है।

गोली लगने से युवक की मौत, सड़क किनारे मिला शव

बीड़, १८ अक्टूबर (प्रतिनिधि):

आष्टी तहसील के अंभोरा-हिवरा रोड पर एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। प्राथमिक जांच में पता चला है कि युवक के सीने में गोली मारी गई थी। शव के पास ही एक मोटरसाइकिल और बिना लाइसेंस का पिस्तौल मिला है। यह चौंकाने वाली घटना शनिवार, १८ अक्टूबर को अंभोरा पुलिस थाना क्षेत्र में सामने आई।

मृत युवक की पहचान आष्टी तहसील के वाघळुज गांव निवासी मयूर उर्फ बाला रामदास चव्हाण (उम्र ३५ वर्ष) के रूप में हुई है। उसका शव अंभोरा-हिवरा रोड के कच्चे रास्ते के किनारे शनिवार सुबह करीब साढ़े दस बजे मिला।

स्थानीय नागरिकों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटनास्थल से पुलिस को सड़क किनारे खड़ी मोटरसाइकिल, मृतक के सीने में गोली लगने का निशान और उसके पास पड़ा पिस्तौल बरामद हुआ।

बताया जाता है कि मयूर चव्हाण मिस्त्री का काम करता था। अब पुलिस यह जांच कर रही है कि यह बिना लाइसेंस वाला पिस्तौल उसके पास कैसे आया और क्या किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसे बहला-फुसलाकर सुनसान जगह पर बुलाकर हत्या की, या फिर यह कोई और मामला है।

पंकजाताई मुंडेने अनाथ बच्चों के साथ मनाई दीवाली

बच्चों के साथ पणती रंगने और आकाश कंदील बनाने में उत्साहपूर्वक लिया हिस्सा

रिपोर्ट: जमीर काजी

मुंबई, १८ अक्टूबर २०२५:

दीवाली का त्योहार केवल दीयों, पटाखों या सजावट का उत्सव नहीं है, बल्कि यह मानवता, प्रेम और एकता का उत्सव है। इसी विचार के साथ पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री पंकजाताई मुंडे ने आज एक अनूठे और हृदयस्पर्शी कार्यक्रम में अनाथ बच्चों के साथ दीवाली मनाई। बच्चों के चेहरों पर खुशी देखकर पंकजाताई मुंडे भावुक हो गईं।

केंद्र सरकार के सांस्कृतिक मंत्रालय और द चिल्ड्रन्स एड सोसायटी फॉर अंडरप्रिव्हिलेज्ड किड्स ऑर्फनेज के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय आधुनिक कला दालन, मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में पंकजाताई मुंडे ने शिरकत की। इस दौरान उनके हाथों आकाश कंदील बनाने की कार्यशाला और प्रसिद्ध कलाकार ए. ए. अल्मेलकर की कलाकृतियों के प्रदर्शन का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर आधुनिक कला संग्रहालय की निदेशक निधि चौधरी भी मौजूद थीं।

इस मौके पर पंकजाताई मुंडे ने कहा, इन अनाथ बच्चों की जाति या धर्म महत्वपूर्ण नहीं है, महत्वपूर्ण यह है कि वे इंसान हैं, और उनकी आंखों में खुशी समाज के लिए प्रेरणादायी है। हमें ऐसा समाज बनाना चाहिए, जहां हर व्यक्ति अपनी पहचान खुद बनाए।

उन्होंने बताया कि पर्यावरण विभाग ने प्रदूषणमुक्त दीवाली के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से जनजागरूकता अभियान चलाया है। साथ ही, उन्होंने सभी नागरिकों से प्रदूषणमुक्त और पर्यावरण के अनुकूल दीवाली मनाने की अपील की। उन्होंने कहा, हमें ध्वनि और वायु प्रदूषण से बचकर, प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाते हुए पर्यावरण अनुकूल दीवाली मनानी चाहिए।

इस अवसर पर पंकजाताई मुंडे ने बच्चों के साथ मिलकर आकाश कंदील बनाए, पणतियों को रंगने का काम किया और चित्रकला गतिविधियों में भी हिस्सा लिया। छोटे-छोटे हाथों से की गई रचनात्मकता और उनकी मासूमियत भरी खुशी को देखकर वे भावुक हो गईं।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

ऐतिहासिक कारंजा टॉवर के सामने रंग-बिरंगी लाइट और फव्वारे बंद, फिर से चालू न किए तो आंदोलन का ऐलान - रमेश गंगाधरे, एस.एम. युसूफ़

बीड़ (प्रतिनिधि):

पिछले कुछ महीनों से ऐतिहासिक कारंजा टॉवर के सामने लगी रंग-बिरंगी लाइटें और पानी के फव्वारे बंद पड़े हैं। इन्हें पुनः चालू किया जाना चाहिए, अन्यथा लोकतांत्रिक तरीके से तीव्र आंदोलन किया जाएगा, यह चेतावनी वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता और उद्यमी रमेश गंगाधरे और स्वतंत्र पत्रकार एस.एम. युसूफ़ ने बीड़ नगर परिषद के मुख्याधिकारी को दिए गए एक पत्र में दी है।

पत्र में उल्लेख है कि बीड़ शहर के मध्य में स्थित ऐतिहासिक कारंजा टॉवर शहर की पहचान है। लेकिन बीड़ नगर परिषद और जिला प्रशासन की उपेक्षा के कारण इस इमारत की स्थिति बिगड़ती जा रही है। नगर परिषद और जिला प्रशासन से कई बार अनुरोध किए जाने के बावजूद अभी तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

वर्तमान में स्कूलों की दिवाली की छुट्टियाँ हैं। इसके कारण बीड़ शहर और आसपास के इलाकों से आए बच्चे-पढ़ाई देखने के लिए माता-पिता के साथ बड़ी संख्या में ऐतिहासिक कारंजा टॉवर और इसके सामने रंग-बिरंगी लाइटें और फव्वारे देखने आने लगे हैं।

कुछ महीने पहले सामाजिक कार्यकर्ता मिर्जा अब्दुल रऊफ़ बेग ने इस रंग-बिरंगी लाइट और फव्वारों को अपने प्रयासों और जनता के सहयोग से चालू किया था और कई महीनों तक संचालित किया। लेकिन अब उनके अन्य कामों के कारण उन्हें इस पर ध्यान देने का समय नहीं मिल पा रहा है। इसलिए पिछले दो-तीन महीनों से लाइट और फव्वारे बंद हैं।

बीड़ नगर परिषद का नैतिक कर्तव्य है कि वह शहर की ऐतिहासिक इमारतों और नागरिक सुविधाओं की देखभाल करे। बावजूद इसके, नगर परिषद की ओर से इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। इसलिए रंग-बिरंगी लाइट और फव्वारे तुरंत पुनः चालू किए जाने चाहिए, ताकि बच्चों और परिवारों को इस नयनरम्य दृश्य का आनंद मिल सके।

वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता रमेश गंगाधरे और स्वतंत्र पत्रकार एस.एम. युसूफ़ ने नगर परिषद के मुख्याधिकारी को चेतावनी दी है कि यदि आवश्यक कार्य नहीं किए गए, तो ऐतिहासिक कारंजा टॉवर के लिए लोकतांत्रिक तरीके से तीव्र आंदोलन किया जाएगा।

राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने दी दीपावली की शुभकामनाएं

मुंबई, १८ अक्टूबर - महाराष्ट्र और गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने दीपावली के अवसर पर नागरिकों को शुभकामनाएं दी हैं।

मुंबई

राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा कि दीपावली अंधकार पर प्रकाश, अन्याय पर न्याय और नकारात्मकता पर सकारात्मकता की विजय का प्रतीक है। इस अवसर पर सभी से स्वदेशी उत्पाद अपनाने का आह्वान किया गया है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों का सम्मान और प्राकृतिक खेती जैसे स्थायी जीवन मूल्यों को अपनाकर उज्जवल, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भाग लेना चाहिए।

राज्यपाल ने यह भी कामना की कि यह दीपावली सभी के जीवन में आनंद, शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि लेकर आए।

दौलवडगांव में पत्रकार के घर पर प्रशासन की बुलडोजर कार्रवाई से आक्रोश!

कडा(प्रतिनिधि): आष्टी तहसीलदार मैडम बा के आदेश पर और अंभोरा पुलिस थाने के संरक्षण में, स्थानीय पत्रकार कसम कय्यूम शेख के दौलवडगाँव स्थित घर पर बिना किसी पूर्व चेतावनी, नोटिस या सुनवाई के बुलडोज़र चला दिया गया। इस अचानक कार्रवाई ने शेख के पूरे परिवार को बेनकाब कर दिया है और ग्रामीणों में रोष की लहर दौड़ गई है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह आरोप लगाया जा रहा है कि यह कार्रवाई राजनीतिक दबाव और राजनीतिक बदले की भावना से की गई है।

पत्रकार शेख पिछले कुछ दिनों

से गांव स्तर पर कुछ अनियमितताओं में शामिल रहे हैं।

और बाबर सरकारी कामों में अनियमितताओं को उजागर कर रहे थे। इसीलिए ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन पर दबाव बनाकर उनके खिलाफ अनुचित कार्रवाई की गई। पत्रकार शेख ने कहा कि बिना कोई नोटिस दिए सीधे मेरे घर पर बुलडोजर चला दिया गया। यह कार्रवाई पूरी तरह से गैरकानूनी है। हम इस संबंध में प्रशासन और जिला कलेक्टर कार्यालय में लिखित शिकायत दर्ज कराएंगे। हमारे परिवार के साथ अन्याय हुआ है। घटना के बाद गांव में प्रशासन और सामाजिक संगठनों के खिलाफ गुस्सा भड़क उठा है।

पत्रकार संगठनों ने मामले की जाँच और ज़िम्मेदार अधिकारियों के ख़िलाफ़ कार्रवाई की माँग की है। इस बीच, कुछ नागरिकों ने कहा कि जिस तरह उत्तर प्रदेश में प्रशासन बुलडोज़र चलाकर नागरिकों को दबाने की कोशिश कर रहा है, उसी तरह महाराष्ट्र में भी अल्पसंख्यक समुदाय के साथ अन्याय हो रहा है। इस घटना ने एक बार फिर पत्रकारों की सुरक्षा के मुद्दे को तूल दे दिया है और प्रशासन को इस मामले में अपनी स्थिति स्पष्ट करनी ज़रूरी है

मुंबई और ठाणे में ठाकरे बंधुओं की युति पक्की: संजय राउत का ऐलान

'महाविकास आघाड़ी' स्थानीय चुनावों के लिए नहीं बनी थी

रिपोर्ट: जमीर काज़ी

मुंबई: उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे - ये दोनों भाई अब मराठी मानुष और महाराष्ट्र के हित में एक साथ आ गए हैं। वे मुंबई और ठाणे नगर निगम चुनाव में मिलकर लड़ेंगे। जो हमारे साथ आना चाहते हैं, उनका स्वागत है, यह युति पक्की है, ऐसा बयान ठाकरे गुट के नेता और रुकन पार्लियामेंट संजय राउत ने शनिवार को दिया।

उन्होंने कहा कि महाविकास आघाड़ी (मविआ) लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए बनाई गई थी, न कि स्थानीय चुनावों के लिए। इसलिए उन्होंने स्पष्ट किया कि मनपा चुनाव के संदर्भ में मविआ को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है।

पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने कहा, ठाणे में हमारा नारा है - दो ठाकरे सबपे भारी, ७५ पार! उन्होंने बताया कि मनसे और शिवसेना एक साथ ठाणे में चुनाव लड़ेंगे, जो मराठी एकता का दीपोत्सव होगा। आगे से मराठी मानुष के हर सवाल के लिए राज और उद्धव ठाकरे मिलकर काम करेंगे।

राउत ने कहा कि इंडिया गठबंधन लोकसभा के लिए बना था, जबकि महाविकास आघाड़ी विधानसभा चुनावों के लिए बनी थी। लेकिन मनपा चुनाव के लिए ऐसी कोई बातचीत नहीं हुई है और न ही मनसे को महाविकास आघाड़ी में शामिल करने का कोई आधिकारिक प्रस्ताव आया है।

मंत्री आशिष शेलार, छगन भुजबळ और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधते हुए राउत ने कहा -

भाजपा में ९०% नेता कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस से आए हैं। खुद के नेता तैयार करो, दूसरों की औलादें कब तक पालोगे? भाजपा का रंग अब भ्रष्टाचार का हो चुका है।

आशिष शेलार द्वारा ठाकरे बंधुओं पर हिंदुत्व को लेकर की गई टिप्पणी पर पलटवार करते हुए राउत ने कहा -

शेलार जी, राज ठाकरे के घर चाय पीने मत जाओ और नाटक मत करो। ठाकरे बंधुओं का रंग पक्का है, उसे खरवचने की कोशिश मत करो। भाजपा का रंग भ्रष्टाचार का है।

उन्होंने कहा, छगन भुजबळ को मंत्री अजित पवार या फडणवीस ने नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनाया है। उनका राजनीति करने का तरीका जातीय है।

मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए राउत ने कहा -

मिस्टर फडणवीस, आप खुद भ्रष्टाचार के कीचड़ में डूबे हैं और हमें ज्ञान दे रहे हैं! राजनीति संभलकर करें, क्योंकि हम आपसे पहले से महाराष्ट्र की सड़कों पर राजनीति कर रहे हैं। मुंबई, पुणे और ठाणे आप किसके हाथों में देने जा रहे हैं?

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि पुणे में जैन समाज की जमीन के ३५०० से ४००० करोड़ रुपए के घोटाले की डोरें फडणवीस तक पहुंचती हैं, और वे जल्द ही इसका खुलासा करेंगे।

जाती-जाती में झगड़े पैदा करना असली मुद्दों से ध्यान हटाने का काम है। ये पेशवाई फिर से शुरू हो गई है, ऐसा कहते हुए राउत ने कहा -

शरद पवार महाराष्ट्र की अस्मिता हैं। संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन में कांग्रेस के कई नेता थे, आज फिर वैसी ही स्थिति बन रही है। एक उद्योगपति मुंबई को निगलने की कोशिश कर रहा है। हर मराठी नेता की जिम्मेदारी है कि मुंबई किसी के गले में न जाने पाए। इस लड़ाई में कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेता कहीं भी पीछे नहीं रहेंगे, ऐसा उन्होंने कहा।

दिव्यांग भाइयों के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध-अमरसिंह पंडित

१६४ दिव्यांग लाभार्थियों को मंजूरी पत्र का सम्मानपूर्वक वितरण

गेवराई, १८ अक्टूबर (प्रतिनिधि):

गेवराई विधानसभा क्षेत्र में दिव्यांग भाइयों के सशक्तिकरण के लिए शिवछत्र परिवार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकारी योजनाओं का लाभ दिव्यांग भाइयों तक पहुँचाने के लिए जागरूक प्रयास किए जा रहे हैं, यह बात पूर्व विधायक अमरसिंह पंडित ने कही। धनत्रयोदशी के शुभ मुहूर्त पर उनके शुभहस्ते १६४ लाभार्थियों को संजय गांधी निराधार अनुदान योजना के मंजूरी पत्र सम्मानपूर्वक वितरित किए गए। इस अवसर पर मंच पर नायब तहसीलदार संजय सोनवणे, राष्ट्रवादी तालुका अध्यक्ष भाऊसाहेब नाटकर, पूर्व महापौर महेश दाभाडे और पूर्व नगरसेवक राधेश्याम येवले सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

गेवराई तालुका में दिव्यांग भाइयों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए विजयसिंह पंडित के कार्यालय में एक विशेष कक्ष संचालित किया गया है। शिवछत्र परिवार द्वारा दिव्यांग भाइयों के सशक्तिकरण के लिए लगातार जागरूक प्रयास किए जा रहे हैं। शनिवार, १८ अक्टूबर को कृष्णाई कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में १६४ दिव्यांग भाइयों को संजय गांधी निराधार अनुदान योजना के मंजूरी पत्र पूर्व विधायक अमरसिंह पंडित के शुभहस्ते सम्मानपूर्वक वितरित किए गए। इससे पहले ४० दिव्यांग लाभार्थियों को मंजूरी पत्र दिए जा चुके थे।

इस अवसर पर लाभार्थियों के चेहरे पर संतोष देखा गया कि विजयसिंह पंडित के माध्यम से उनके मुद्दों का समाधान हो रहा है। कार्यक्रम का प्रारंभ नायब तहसीलदार संजय सोनवणे ने

किया। कार्यक्रम में गेवराई तालुका के दिव्यांग भाई और उनके परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे। पूर्व विधायक अमरसिंह पंडित ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी और शिवछत्र परिवार की ओर से दीपावली के अवसर पर आयोजित स्नेहभोजन का लाभ दिव्यांग भाइयों और उपस्थित लोगों ने लिया।

अमरसिंह पंडित ने अपने संबोधन में कहा कि आने वाले समय में गेवराई विधानसभा क्षेत्र का कोई भी दिव्यांग भाई शासन की योजनाओं से वंचित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि गेवराई कार्यालय में स्थापित दिव्यांग कक्ष की जानकारी देकर किसी भी कार्यालय में दिव्यांग भाइयों के साथ हो रही अन्यायपूर्ण हरकत के मामले में सीधे संपर्क करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि गेवराई नगर परिषद की ओर से शहर में दिव्यांग भाइयों को मिलने वाला निधि कई वर्षों से लंबित था, उसे अब वितरण कर न्याय सुनिश्चित किया गया है।

अमरसिंह पंडित ने कहा कि महायुति सरकार ने दिव्यांग भाइयों की मानधन में पर्याप्त वृद्धि की है और अब प्रतिमाह २,५०० रुपये मानधन मिलेगा। उन्होंने महायुति सरकार का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में गेवराई तालुका के दिव्यांग भाई और उनके परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे। शिवछत्र परिवार द्वारा आयोजित स्नेहभोजन का लाभ उन्होंने उठाया। इस अवसर पर बाजार समिति के उपसभापति श्रीहरी पवार, संग्राम आहेर, श्रीराम आरगडे, रफीक सौदागर, बाबासाहेब चव्हाण, राधाकिसन चक्कर, महेश ढेरे, बाबासाहेब खोसे, दादासाहेब घोडके, सुभाष गुंजाळ सहित राष्ट्रवादी कांग्रेस के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भगतसिंह शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी पतसंस्था ने सदस्यों के लिए दिवाली का आनंद बढ़ाया

जालना, १८ अक्टूबर (वार्ताहर):

मान्यता प्राप्त निजी माध्यमिक अनुदानित एवं आंशिक रूप से अनुदानित विद्यालयों के शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारियों की आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संचालित भगतसिंह शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी पतसंस्था मर्यादित, जालना की १९वीं वार्षिक सर्वसाधारण सभा हाल ही में संपन्न हुई।

पतसंस्था के अध्यक्ष आरेफ कुरेशी ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि कर्मचारियों का वेतन दिवाली से पहले मिलने की संभावना कम होने के कारण, पतसंस्था ने दिवाली के अवसर पर लाभांश नकद वितरण का निर्णय लिया। इस निर्णय से कर्मचारियों में उत्साह और खुशी का माहौल बना।

संस्था ने पिछले वित्तीय वर्ष में २७ लाख रुपये का लाभ अर्जित किया, जिसके आधार पर सभी सदस्यों को ९% दर से कुल १६ लाख ६२ हजार रुपये नकद लाभांश उनके भागीदार पूंजी के अनुपात में

वितरित किए गए। इस वर्ष संस्था का कुल लेन-देन ३ करोड़ १ लाख १ हजार ६२२ रुपये रहा।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त सदस्य एवं मुख्याध्यापक शिवाजी केदार, नूतन विद्यालय जालना का संस्था की ओर से सम्मान किया गया। इसी प्रकार, मराठवाड़ा शिक्षक संघ के कार्याध्यक्ष फरकुंद अली सय्यद और उनके पुत्र चिरंजीव हसन अली सय्यद की चइइड मेडिकल कोर्स में चयन होने पर उन्हें और उनके पिता को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि बामुक्टो संघ की विभागीय सचिव एवं अर्थशास्त्र विशेषज्ञ डॉ. मारोती तेगंमपुरे थे। इस अवसर पर संस्था के पूर्व अध्यक्ष एवं विशेषज्ञ संचालक प्रेमदास राठोड, उपाध्यक्ष रमेश आंधळे, सचिव नारायण मुंडे, संचालक गणेश चव्हाण, अरुण आंधळे, हकीम पटेल, स्वीकृत संचालक संजय येळवंते, जगन वाघमोडे भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन संचालक भीमाशंकर शिंदे ने किया और आभार प्रदर्शन अरुण आंधळे ने किया। अंत में स्नेह भोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

महिला की गले की चेन छीनी गई, दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज

बीड़, १८ अक्टूबर (प्रतिनिधि):

शहर के माने कॉम्प्लेक्स परिसर के पार्क की ओर पैदल जा रही एक महिला की गले में पहनी हुई मिनी-गहना (चेन) मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात लोगों ने छीन ली। यह घटना शुक्रवार, १७ अक्टूबर की शाम लगभग ५ बजे हुई। इस मामले में दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

बताया गया कि बीड़ शहर की सुनंदा अरुण जगताप (उम्र ५४ वर्ष) अपनी नातिन-नातियों के साथ माने कॉम्प्लेक्स परिसर के पार्क की ओर पैदल जा रही थीं। तभी सामने से आती मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात लोगों ने उनकी गले में पहनी १३ ग्राम की मिनी-गहना छीन ली और फरार हो गए।

इस चोरी की कुल कीमत लगभग ७५,००० रुपए बताई जा रही है। शिवाजीनगर पुलिस थाना में अज्ञात दो लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com